सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

(भारत के संविधान के अनुच्छेद 338क के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय)
(A constitutional body under Article 338A of the Constitution of India)

File No. Tour Report/State/2022-Coord. Dated: 12.07.2022

To

1. **The Chief Secretary,**
   Govt. of Assam,
   Block- C, 3rd Floor,
   Assam Sachivalaya, Dispur,
   Guwahati-781006 (Assam)
   Email: cs-assam@nic.in

2. **The Deputy Commissioner,**
   District – Kamrup,
   Guwahati – 781001.
   (Assam).
   Email: dc-kamrup@nic.in

Sub: Tour Report of Shri Harsh Chouhan, Hon'ble Chairperson, NCST to the State of Assam, Guwahati from 10th to 12th September, 2021.

Sir,

I am directed to enclose a copy of Tour Report of Shri Harsh Chouhan, Hon'ble Chairperson, NCST to the State of Assam, Guwahati from 10th to 12th September, 2021 for ready reference on the subject cited above.

2. It is, therefore, requested that appropriate action taken to be taken on the points raised / recommendations in the Tour Report may be furnished the Report to the Commission at the earliest.

(Encl: as above)

Yours faithfully,

(S. P. Meena)
Deputy Director
Tel: 011-24657272.
Email: assttdir.ru2@ncst.nic.in

Copy for information to:

1. PS to Hon'ble Chairperson, NCST
2. NIC (for uploading on the website of the Commission).

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
प्रवास प्रतिवेदन

1.दौरा करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम	श्री हर्ष चौहान माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री अभिनव प्रकाश अध्यक्ष के सहायक निजी सचिव श्री अभय आलोडे, अध्यक्ष के निजी सहायक
2. दौरे की तिथि	दिनांक 10 से 12 सितंबर 2021
3. दौरा किये गये स्थान	1. लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिज़िकल एजुकेशन, सोनापुर, गुवाहाटी 2. ताज विवांता, गुवाहाटी

4. मुख्य अधिकारीगण/संगठनों/व्यक्तियों से मिले -

i.	श्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय जनजातीय मामले मंत्री, भारत सरकार
ii.	श्री हिमंता बिस्वा शर्मा, मुख्यमंत्री, असम
iii.	श्री एम.सी. साहू प्रमुख सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम
iv.	श्री एस.सरमाह – आयुक्त और सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम
v.	श्री दीपक कु. चौधरी - सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम
vi.	श्री भवानी प्रसाद शर्मा, निदेशक, डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम
vii.	श्री के. बरुआही, संयुक्त सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम
viii.	श्री रंजीत कु. पेगु, संयुक्त निदेशक (योजना), डब्ल्यू.पी.टी. और बी.सी. विभाग, असम

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson

ix.	श्री रिनोहमो सुंगोह, महासचिव, जेएफसीपीएफ
x.	श्री ताजोम तासुंग, कार्यकारिणी सदस्य, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम एवं सचिव, जेएफसीपीएफ
xi.	श्री जलेश्वर ब्रह्मा, अध्यक्ष, जेएफसीपीएफ
xii.	श्री रामचंद्र खराड़ी, अध्यक्ष, एबीवीकेए
xiii.	श्री बी.बी. जमातिया, कार्यकारिणी सदस्य, जेएफसीपीएफ
ix.	श्री नबम अतुम, कार्यकारिणी सदस्य, जेएफसीपीएफ
x.	श्री श्याम कामेई, सदस्य, जेएफसीपीएफ

5. दौरे के मुख्य बिंदु :

1. दिनांक 10 सितंबर, 2021 को एलएनआईपीई, सोनपुर, कामरूप जिला, असम में ''जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच'' जनजाति नेता सम्मेलन, पूर्वोत्तर की (voice of Northeast) आवाज का उद्घाटन।
2. ताज विवांता, गुवाहाटी, असम में मैदानी जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण (डायरेक्टोरेट ऑफ वेल्फेयर प्लेन ट्राइब एंड बैकवर्ड क्लासेज) निदेशालय के अधिकारियों द्वारा माननीय अध्यक्ष जी को प्रस्तुतीकरण।

Harsh Chouhan

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

6. **दिनांक 10 सितंबर, 2021 को "जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच" जनजाति नेता सम्मेलन, पूर्वोत्तर की आवाज का उद्घाटन कार्यक्रम-**

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन) सोनपुर, कामरूप जिला, असम में दिनांक 10 सितंबर, 2021 को "जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच" जनजाति नेता सम्मेलन, पूर्वोत्तर की आवाज कार्यक्रम के तीन दिवसीय (दिनांक 10, 11 और 12 सितंबर, 2021) सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया तथा **श्री जलेश्वर ब्रह्मा**, माननीय अध्यक्ष, जनजाति संस्कृति सुरक्षा मंच के द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह मंच/डायस सभी पूर्वोत्तर राज्यों के जनजाति लोगों का है और इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इस मंच के तहत उपस्थित सभी प्रतिनिधियों की भागीदारी और समर्पण की आवश्यकता है। इन्होंने इस सम्मेलन में असम के माननीय मुख्यमंत्री तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष को कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि पूर्वोत्तर के जनजातियों पर अब तक कोई साहित्य नहीं लिखा गया है। हमें इस सम्मेलन के माध्यम ऐसे साहित्यकारों की पहचान करनी है और ऐसे सुंदर जनजाति साहित्य का निर्माण करने वाले साहित्यकारों को पृष्ठांकित करना होगा जो हमारे आनेवाली पीढ़ी का आधार होगा तथा जनजाति लोगों के लिए प्रगति का मार्ग बनेगा।

श्री रिनोहमो सुंगोह, महासचिव, जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच ने अपने संबोधन में कहा कि महामारी के कारण इस सम्मेलन को लंबे समय तक आयोजन नहीं किया गया लेकिन जिस समय भी हुआ वो सही समय है। महामारी के कारण पूरा विश्व नमस्ते करने के लिए बाध्य हो गया। प्रकृति ने हमे बहुत कुछ दिया है। हम जनजाति लोग धरती मां की पूजा करते हैं। पश्चिमी देशों को भारत के जनजातियों से सीखना चाहिए कि कैसे पूजा करें और अपने प्रकृति मां का सम्मान करें। हमने इसकी शुरूआत वर्ष 2002 में की थी तथा यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा आदान-प्रदान, साहित्य आदान-प्रदान और अनेक धार्मिक गतिविधियों के लिए एक सामान्य मंच है। हमें विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं जैसे 'अपने पूर्वोत्तर को जाने' पर सम्मेलन का आयोजन किया है। " पूर्वोत्तर की आवाज" के लिए यह एक विशेष मंच है। हमें इसी तरह के संवाद के माध्यम से सक्षम, शक्तिशाली और मजबूत बनना होगा तथा हमारी भूमि पर विदेशी शक्तियों द्वारा अतिक्रमण को रोकना होगा। मिशनरी हमारे साथी भाई-बहनों को कुछ सुविधाएं प्रदान कर भटकाने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी उन्हें कुछ अवधि के लिए जरूरत होती है और उनके द्वारा दिखाए गए झूठे लालच में पड़ जाते हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से जो नेता यहां मौजूद हैं वे जनजातियों को बचाने के लिए संवैधानिक प्रावधान की मांग करें साथ ही जिन लोगों ने दूसरा धर्म अपना लिया हैं उन्हें जनजाति का दर्जा न दिया जाए ताकि यह दूसरों के लिए भी एक सबक बन सके तथा यह जनजाति लोगों और हमारी भूमि की रक्षा के लिए एक उपकरण बन सके।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

दिनांक 10 सितंबर, 2021 को एलएनआईपीई (LNIPE), **सोनपुर, कामरूप जिला असम में "जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच" जनजाति नेता सम्मलेन, पूर्वोत्तर की आवाज के उद्घाटन कार्यक्रम में बायें से दायें श्री जलेश्वर ब्रह्मा, अध्यक्ष, जेएफसीपीएफ** (JFCPF), **श्री रामचंद्र खराड़ी, माननीय अध्यक्ष, एबीवीकेए** (ABVKA), **डॉ. हिमांता बिस्वा शर्मा, माननीय मुख्यमंत्री, असम, श्री बी.बी. जमातिया, कार्यकारिणी सदस्य, जेएफसीपीएफ** (JFCPF), **श्री नबम अतुम, कार्यकारिणी सदस्य, जेएफसीपीएफ उपस्थित थे।**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असम के **माननीय मुख्य मंत्री डॉ. हिमांता बिस्वा शर्मा** थे। असम राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने अपने संबोधन में निम्नलिखित बिंदुओं को रखा। उन्होंने सबसे पहले सभी राज्यों से आए प्रतिनिधियों का धन्यवाद किया और असम की तीन करोड़ जनता की ओर से गुवाहाटी में उनका स्वागत किया। उन्होंने स्वदेशी धर्म और संस्कृति से संबंधित बिंदुओ को रखा तथा इसे बाहरी/विदेशी मिशनरी से संरक्षित करने को कहा। मिशनरी हमारे साथी भाई-बहनों को कुछ सुविधाएं प्रदान कर भटकाने की कोशिश कर रहे है जिसकी उन्हें कुछ अवधि के लिए जरूरत होती है और उनके द्वारा दिखाए गए झूठे लालच में पड़ जाते हैं। उन्होंने मंच से आश्वासन दिया कि वे इस नेक काम के लिए सरकार से अपेक्षित सभी सुविधाओं को उपलब्ध करायेंगे तथा भारत में जनजाति राज्यों के माध्यम से इस कार्यक्रम के ब्रांड एंबेस्डर होंगे तथा हमारे लोग इससे लाभान्वित होंगे और प्रगति करेंगे।

एलएनआईपीई, गुवाहाटी में जनजाति नेता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के माननीय मुख्यमंत्री डा. हिमांता बिस्वा शर्मा

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

जनजातीय संस्कृति और कला को संरक्षित करना भारत के सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमें को स्वदेशी धर्म और संस्कृति को बढ़ावा देना है। बगैर धर्म की सुरक्षा किए बिना हम राष्ट्र को सुरक्षित नहीं रख सकते। जनजातीय ऐतिहासिक स्थलों का विकास होना चाहिए और उसे पर्यटक स्थल बनाया जाना चाहिए ताकि लोग जनजातीय संस्कृति को देख और समझ सकें। जनजातीय संस्कृति के पास ऐसी शक्ति है कि उन्हें अपने संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दूसरों की जरूरत नहीं है। असम की संस्कृति असम की पहचान है और हम अपनी जनजातीय पहचान की रक्षा कर सकते हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र जनजातियों का है और बरकरार रहेगा। हम जल्द ही भोजन, धर्म और संस्कृति के लिए पूर्वोत्तर सम्मलेन का आयोजन करेंगे। धर्म और संस्कृति एक ही चीज है। हम विदेशियों से विज्ञान और प्रौद्योगिकी सीख सकते हैं, लेकिन उन्हें हम से संस्कृति और धर्म सीखना चाहिए। हमारी संस्कृति, सबसे प्राचीनतम है और यह बरकरार रहेगी, जल्द ही हमारा देश "विश्वगुरू" (वैश्विक नेता) बन जाएगा। विदेशियों को हमारी संस्कृति को अपने देश ले जाना चाहिए और वहां के लोगों को इससे लाभ लेना चाहिए जिस प्रकार योग को ले गये हैं। उन लोगों को हमारा धर्म अपनाना चाहिए जिससे वे लाभावित्त होंगे। सादगी हमारी कुंजी है और हम सब साथ-साथ आगे बढ़ेंगे।

- **गुवाहाटी में दिनांक 10 सितंबर, 2021 को संध्याकाल में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान अरूणाचल प्रदेश के जनजाति संगठन के चयनित प्रतिनिधियों के साथ माननीय अध्यक्ष जी द्वारा विचार-विमर्श**

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, गुवाहाटी में अरूणाचल प्रदेश के विभिन्न जनजातीय समुदायों और संगठनों के चयनित 18 जनजातीय नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया गया।

अरूणाचल प्रदेश के जनजातीय संगठन के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष विचार-विमर्श करते हुए

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

7. **दिनांक 11 सितंबर, 2021 को दोपहर 2:00 बजे माननीय अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), गुवाहाटी में सिक्किम, मणिपुर और मिजोरम के जनजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।**

दिनांक 11 सितंबर, 2021 को दोपहर 2:00 बजे माननीय अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), गुवाहाटी में सिक्किम, मणिपुर और मिजोरम के जनजातीय संगठन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ दोनों राज्यों के 15 प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया।

मणिपुर, सिक्किम और मिजोरम के जनजातीय प्रतिनिधियों के साथ माननीय अध्यक्ष अपने विचारों को साझा करते हुए।

मणिपुर, सिक्किम और मिजोरम के जनजातीय प्रतिनिधियों के साथ माननीय अध्यक्ष

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

- **दिनांक 11 सितंबर, 2021 को सांय 5:00 बजे माननीय अध्यक्ष ने नागालैंड और मेघालय के जनजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।**

दिनांक 11 सितंबर, 2021 को दोपहर 2:00 बजे माननीय अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान गुवाहाटी में नागालैंड और मेघालय के जनजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ दोनों राज्यों के 17 प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया।

मेघालय और नागालैंड के जनजातीय प्रतिनिधियों के साथ माननीय अध्यक्ष अपने विचारों को साझा करते हुए।

मेघालय और नागालैंड के जनजातीय प्रतिनिधियों और संगठनों के नेताओं के साथ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

8. दिनांक 12 सितंबर, 2021 को माननीय अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, गुवाहाटी में प्रतिनिधियों के द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों और प्रश्नों के लिए परिचर्चा सत्र रखा था।

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने दिनांक 11 सितंबर, 2021 को अपराह्न 12:30 बजे पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, गुवाहाटी में प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों और प्रश्नों के लिए एक परिचर्चा सत्र रखा।

- **त्रिपुरा**

1. प्रथागत कानून प्रस्तुत किया गया है लेकिन अभी तक अनुमोदित नहीं हुआ है। प्रथागत कानून में स्वायत्त परिषद् में प्रयास किए गए लेकिन कोई लाभ नहीं मिला।
2. अवैध प्रवासियों की समस्या। केंद्र सरकार को इंद्रा-मुजिब सुक्ति के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

- **गवारई बैथो महासभा**

स्वदेशी धर्म को हिंदुत्व, इसाई धर्म या ब्रह्मा (ननबाली) में परिणत किया गया है। बैथो को बैथुत्व बनाना चाहिए और इसे विभिन्न रूपों में शामिल किया जाना चाहिए।

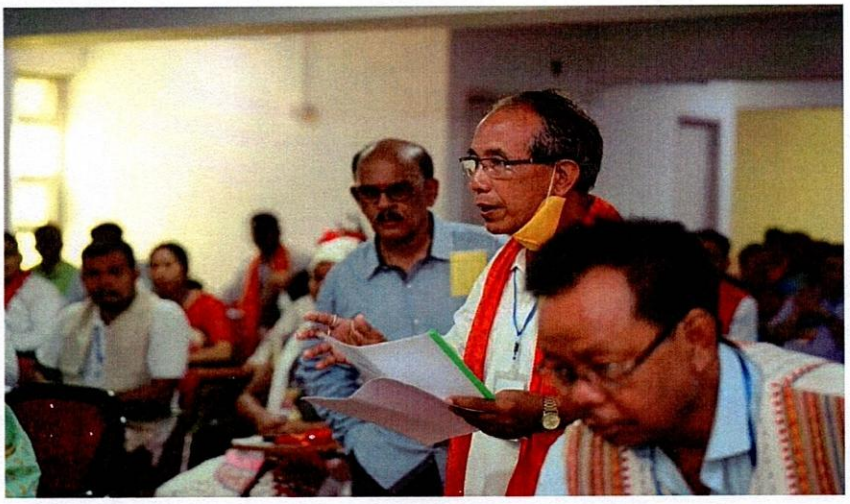

सुझावों और प्रश्नों पर विचार-विमर्श के लिए खुले सत्र में जनजातीय प्रतिनिधि अपना विचार रखते हुए लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, गुवाहाटी के प्रतिनिधियों की प्रस्तुति

- **शांतिबिकाश चकमा, त्रिपुरा**

1. अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के पास चकमा भाषा का कोई आंकड़ा नहीं है। चूंकि इसकी एक लिपि है जिसको मान्यता प्रदान की जानी चाहिए।
2. संस्कृति को सुरक्षित करने के लिए एक सामाजिक-संस्कृति अकादमी स्थापित करने के लिए उच्च स्तरीय समिति से मांग की गई थी।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

3. प्रथागत कानूनों को मान्यता दी जानी चाहिए।

- **हाजोंग समुदाय**

1. संस्कृति और भाषा के प्रतिनिधित्व हेतु एक स्वायत्त परिषद् नहीं है।
2. गुवाहाटी में लड़कों और लड़कियों के लिए हाजोंग छात्रावास स्वीकृत किया जाना चाहिए और विधान परिषद् में एक सीट आरक्षित होनी चाहिए।

- **साओतल समुदाय**

पूरे भारत में, पूर्वोत्तर (नॉर्थ-ईस्ट) और त्रिपुरा के साओतल समुदाय को अभी तक अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा नहीं दिया गया है।

- **श्री प्रदीप कुमार रियांग (ब्रु रियांग)**
  1. एसटी प्लेन (plain) की जरूरत है।
  2. ट्रायबल बेल्ट की सुविधा की जरूरत है।
  3. त्रिपुरा में एक रियांग समुदाय है परंतु असम में वे कुकी समुदाय के तहत सूचीबद्ध है। उन्हें सूचीबद्ध करने की आवश्यकता है।

- **हालम जनजाति (असम)**
  1. त्रिपुरा में हालम जनजाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) के रूप में मान्यता प्राप्त है परंतु असम में नहीं है। उन्हें मान्यता देने की आवश्कता है।
  2. डेओरी समुदाय (असम)
  3. डेओरी समुदाय के लिए परम्परागत मंदिर निर्माण।
  4. जननायक भिम्बार डेओरी की पुण्य तिथि पर राष्ट्रीय अवकाश।

- **रियांग समुदाय (त्रिपुरा)**

  जनसंख्या-वार कोटा

- **त्रिपुरा कलाई समाज**

  समुदाय के लिए एक मंदिर और एक स्कूल की स्थापना होनी चाहिए।

- **कार्बी अंगलोंग (असम)**

  244 क का कार्यान्वयन होना चाहिए।

- **मिशिंग (असम)**

1. डोनीपोलो के ज्यादात्तर अनुयायी लुप्त हो गए हैं और जो मौजूद है, वे इस धर्म में वापस आने से हिचक रहे हैं।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

2. अनुसंधान और विकास के लिए एक केंद्र की स्थापना होनी चाहिए।
3. उनके लिए प्रार्थना घर की आवश्यकता है।

- **साओरा जनजाति (चाय जनजाति, असम)**
  अनुसूची (Schedule) में सूचीबद्ध करने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि जनजाति आयोग के अधिदेश के अनुसार जनजातियों को विशेष अधिकार दिया गया है। परंतु जो नियम इसे नियंत्रित करते हैं वह ब्रिटिश काल आधारित है। लेकिन हमें इस बात पर विचार करना होगा कि भौगोलिक कारणों से ही वनवासी संस्कृति भिन्न प्रकार से विकसित हुई थी।

सरकार की पहल जमीनी स्तर पर निगरानी होनी चाहिए। माननीय राष्ट्रपति को इसका निरीक्षण करने का अधिकार है। उन्हें इस बारे में जानकारी उपलब्ध कराना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, एक खाका तैयार किया जाना चाहिए। अपनी संस्कृति की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और सबको इस जिम्मेदारी का निर्वहन भी करना होगा। कई धर्मों में मंदिर की जगह प्रार्थना और पूजा स्थल है, उन स्थलों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

ऐतिहासिक-धार्मिक स्थानों को विकासित किया जाना चाहिए और यदि जहां पर नही है, तो इनका निर्माण किया जाना चाहिए। लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संगठन का होना महत्वपूर्ण है। इस तरह के मांगों के लिए एक कॉलम जोड़ना है, जिससे कोई वास्तविक अंतर नहीं होगा।

हमें अपनी धार्मिक आस्था के प्रसार और उसे संरक्षित करने के लिए अवसर तलाशने/ढूढ़ने होंगे। यह दिखाने के लिए कि भूमि पर डोनीपोलो के अनुयायियों का निवास है जिसके लिए राजमार्ग पर एक बोर्ड स्थापित किया जा सकता है कि यह क्षेत्र डोनीपोलो के अनुयायियों से संबंधित है।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

8. दिनांक 12 सितंबर 2021 को सांय 6:00 बजे, ताज विवांता में डाईरेक्टोरेट ऑफ वेलफेयर ऑफ प्लेन ट्राईब एंड बैकवर्ड क्लासेस, असम के अधिकारियों द्वारा माननीय अध्यक्ष को संक्षिप्त जानकारी दी गई।

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को डाईरेक्टोरेट ऑफ वेलफेयर ऑफ प्लेन ट्राईब एंड बैकवर्ड क्लासेस, असम के कार्यों के संबंध में श्री एम.सी. साहू, प्रमुख सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बीसी विभाग, असम ने संक्षिप्त जानकारी दी।

श्री एम.सी. साहू, प्रमुख सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. और बीसी विभाग, असम माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को जानकारी देते हुए।

डायरेक्टोरेट ऑफ वेलफेयर ऑफ प्लेन ट्राईब एंड बैकवर्ड क्लासेस के अधिकारियों द्वारा ताज विवांता, गुवाहाटी में प्रस्तुतीकरण दिया गया।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

- **दिनांक 12.09.2021 को ताज विवांता होटल, खानपरा, गुवाहाटी में सांय 6:00 बजे माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार के साथ आयोजित बैठक का कार्यवृत्त**

माननीय अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें डब्ल्यू.पी.टी. एवं बी.सी. विभाग, असम के अधिकारियों ने भाग लिया था।

प्रधान सचिव, डब्ल्यू.पी.टी. एवं बी.सी. विभाग ने राज्य की अपनी प्राथमिकता विकास योजना (राज्य योजना कार्यक्रम) और केंद्र प्रायोजित केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के तहत कार्यान्वित किए जा रहे अधिदेशों, संगठनात्मक पैटर्न के बारे में बताया। उन्होंने राज्य योजना एवं केंद्रीय क्षेत्र से बाहर एसटी और ओबीसी समुदाय के विकास के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। अनुसूचित जनजाति को (कक्षा I-VIII) पूर्व-मैट्रिक छात्रवृत्ति, परिवार उन्मुख आय सृजन योजना, कैंसर एवं घातक रोग से पीड़ित एसटी और ओबीसी के रोगियों को वित्तीय सहायता, मेडिकल/ इंजीनियरिंग/आईटीआई आदि की तैयारी के लिए एसटी और ओबीसी के छात्रों को वित्तीय सहायता, आईएएस/आईपीएस एवं असम सिविल सेवा के अंतिम परीक्षा में भाग लेने हेतु एसटी/ओबीसी के योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता। आईटीडीपी क्षेत्रों में अवसंरचना का विकास। जनजातीय खेलों/जनजातीय संस्कृति का संवर्धन, एसटी/ओबीसी के मेधावी छात्रों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन, दस (10) स्वायत्त परिषद को अनुदान, एसटी/ओबीसी समुदाय पर डेटाबेस का डिजिटलीकरण, 34 विकास परिषद आदि को अनुदान जैसे प्रमुख योजनाओं के बारे में अध्यक्ष महोदय को बताया गया।

शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों (कक्षा I से VIII) को पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान करने में उपलब्धि के रूप में एसटी के मेधावी छात्रों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन, मेडिकल/ इंजीनियरिंग/आईटीआई आदि की तैयारी के लिए एसटी के छात्रों को वित्तीय सहायता और एसटी समुदाय के विकास के लिए एकमुश्त विशेष अनुदान थे।

महिला सशक्तिकरण: इस क्षेत्र के अंतर्गत, हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए पिछले तीन वर्षों में अनुसूचित जनजातियों के लाभार्थियों को एकमुश्त विशेष अनुदान प्रदान किया गया। इस योजना ने अनुसूचित जनजाति के महिलाओं के लिए आजीविका सृजन पर प्रभाव डाला है।

कृषि क्षेत्र: इस क्षेत्र के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति के समुदाय के विकास के लिए एकमुश्त विशेष अनुदान के रूप में अनुसूचित जनजाति के किसानों को पावर टिलर, कृषि किट, धान रीपर, पावर टिलर के साथ धन थ्रेशर, आटा चक्की (पल्वराइजर) आदि प्रदान किए थे।

केंद्रीय क्षेत्र की योजना -

इस विभाग की प्रमुख योजना जनजातीय उप-योजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता, भारत के संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान, अनुसूचित जनजाति के छात्रों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक (कक्षा IX-X) छात्रवृत्ति, एकलव्य आदर्श आवासीय

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES

विद्यालय, लघु वन उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी से एमएफपी), वन अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन है। इन योजनाओं/कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताओं के बारे में अध्यक्ष महोदय को बताया गया।

अब तक राज्य में भारत सरकार द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के तहत ईएमआरएस के 5 विद्यालय स्वीकृत किए गए हैं। ऐसे विद्यालयों के कामकाज और प्रबंधन की जानकारी अध्यक्ष महोदय को दी गई।

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने चर्चा का सारांश देते समय डब्ल्यू.पी.टी. एवं बी.सी.विभाग के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम करने की सलाह दी और विभाग के सुचारू रूप से कामकाज के लिए जिला और उप मंडल स्तर जन शिकायत मामले को उठाया जाना चाहिए।

(हर्ष चौहान)
अध्यक्ष

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi